Made with Xodo PDF Reader and Editor

NEWS LETTER

North Zone: Central Zone: South Zone: Saturday, 12 September 2026

Arrival & Sowing Update | Interview | International Market Update | CCI | Important News

देशभर में नई कपास की दस्तक! सीजन 2026-27 का शानदार आगाज, शुरुआती भाव मजबूत

- देश के कई प्रमुख कपास उत्पादक क्षेत्रों में कपास सीजन 2026-27 की शुरुआत हो चुकी है। मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में नई फसल की शुरुआती आवक मंडियों तक पहुंचने लगी है। कई बाजारों में पारंपरिक पूजा-अर्चना और पहली बोली के साथ नए सीजन का शुभारंभ हुआ, जबकि शुरुआती भाव किसानों के लिए उत्साहजनक रहे।

- मध्य प्रदेश के सुसारी में नए सीजन की शानदार शुरुआत हुई, जहां 26 अगस्त को पहली खरीद का मुहूर्त ₹9,101 प्रति क्विंटल के भाव पर हुआ। पहले ही दिन यहां 1,500 क्विंटल से अधिक नई कपास की आवक दर्ज की गई। वहीं, खरगोन मंडी में सीजन के पहले दिन करीब 10,000 क्विंटल कपास पहुंचा और शुरुआती बोली ₹8,411 प्रति क्विंटल तक रही। अधिक नमी वाली कपास भी ₹7,000 से ₹8,000 प्रति क्विंटल के भाव पर बिकी।

- कुक्षी मंडी में भी नए कपास की नीलामी शुरू हो गई। पहले दिन 151 वाहनों से 1,269 क्विंटल कपास की आवक हुई। यहां उच्चतम भाव ₹8,465, न्यूनतम ₹7,500 और मॉडल भाव ₹8,000 प्रति क्विंटल रहा।

- गुजरात के मोडासा टिंटोई सबयार्ड में भी नए कपास की पहली आवक के साथ सीजन का कारोबार शुरू हुआ। सार्वजनिक नीलामी में शुरुआती बोली ₹1,111 प्रति मन से शुरू होकर ₹2,100 प्रति मन तक पहुंची। क्षेत्र में इस वर्ष 20 हजार हेक्टेयर से अधिक में कपास की बुवाई हुई है, जिससे आगे आवक बढ़ने की उम्मीद है।

- दक्षिण भारत में भी नई फसल बाजारों में पहुंच रही है। रायचूर, बेल्लारी, अडोनी और येमिगनूर जैसे बाजारों में नमी के आधार पर कच्चे कपास के भाव करीब ₹9,200-9,500 प्रति क्विंटल बताए जा रहे हैं। राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी शुरुआती आवक शुरू हो गई है।

- सरकार ने 2026-27 सीजन के लिए मीडियम स्टेपल कपास का MSP ₹8,267 और लॉन्ग स्टेपल कपास का MSP ₹8,667 प्रति क्विंटल तय किया है। बाजार की मौजूदा स्थिति में किसानों की नजर अब आने वाले हफ्तों में आवक बढ़ने, नमी घटने और अंतरराष्ट्रीय कपास बाजार की दिशा पर रहेगी।

- कुल मिलाकर, देशभर की मंडियों में नए कपास की दस्तक के साथ सीजन 2026-27 का आगाज हो चुका है और शुरुआती भावों ने बाजार में सकारात्मक माहौल बनाया है। आने वाले दिनों में जैसे-जैसे नई फसल की आवक बढ़ेगी, कपास बाजार की वास्तविक दिशा और कीमतों का रुझान और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

कपास बुवाई में बड़ा क्षेत्रीय बदलाव: उत्तर में कमी, मध्य-दक्षिण में बढ़त

- देश में कपास की बुवाई लगभग पूरी हो चुकी है। 11 सितंबर 2026 तक कुल कपास रकबा 109.345 लाख हेक्टेयर दर्ज हुआ, जो पिछले वर्ष के 109.662 लाख हेक्टेयर की तुलना में 0.317 लाख हेक्टेयर यानी 0.29% कम है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट मामूली है, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में बुवाई का रुझान अलग-अलग रहा है।

- उत्तरी क्षेत्र में रकबा घटकर 9.351 लाख हेक्टेयर रह गया, जो पिछले वर्ष से 18.05% कम है। पंजाब में 0.850 लाख हेक्टेयर, हरियाणा में 3.110 लाख और राजस्थान में 5.391 लाख हेक्टेयर बुवाई हुई।

- इसके विपरीत मध्य क्षेत्र में बुवाई बढ़कर 65.723 लाख हेक्टेयर पहुंची, जो सालाना आधार पर 1.44% अधिक है। गुजरात में 21.483 लाख हेक्टेयर और मध्य प्रदेश में 5.840 लाख हेक्टेयर रकबा रहा, जबकि महाराष्ट्र में 38.400 लाख हेक्टेयर के साथ स्थिति लगभग स्थिर रही।

- दक्षिणी क्षेत्र में भी सकारात्मक रुझान रहा। यहां बुवाई 31.711 लाख हेक्टेयर रही, जो पिछले वर्ष से 2.89% अधिक है। तेलंगाना में 19.521 लाख हेक्टेयर के साथ 5.40% की बढ़ोतरी दर्ज हुई। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में मामूली गिरावट रही।

कुल मिलाकर, उत्तर भारत में रकबा घटने के बावजूद मध्य और दक्षिण भारत में बढ़ी बुवाई ने देश के कुल कपास क्षेत्रफल को लगभग पिछले वर्ष के स्तर पर बनाए रखा है। अब बाजार की नजर फसल की स्थिति, मौसम और आगामी कपास आवक पर रहेगी।

COTTON SOWING as on 11/09/2026

(Lakh Hectare) SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77775

STATE	2026	2025	YEARLY CHANGE	CHANGE %
PUNJAB	0.850	1.190	-0.340	-28.57
HARYANA	3.110	3.940	-0.830	-21.07
RAJASTHAN	5.391	6.280	-0.889	-14.16
NORTH ZONE	**9.351**	**11.410**	-2.059	-18.05
GUJARAT	21.483	20.812	0.671	3.22
MAHARASHTRA	38.400	38.420	-0.020	-0.05
MADHYA PRADESH	5.840	5.560	0.280	5.04
CENTRAL ZONE	**65.723**	**64.792**	0.931	1.44
ANDHRA PRADESH	4.110	4.130	-0.020	-0.48
TELANGANA	19.521	18.520	1.001	5.40
KARNATAKA	7.990	8.080	-0.090	-1.11
TAMILNADU	0.090	0.090	0.000	0.00
SOUTH ZONE	**31.711**	**30.820**	0.891	2.89
ODISHA	2.350	2.380	-0.030	-1.26
OTHER	0.210	0.260	-0.050	-19.23
GRAND TOTAL	**109.345**	**109.662**	-0.317	-0.289

SOURCE : MINISTRY OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE

Made with Xodo PDF Reader and Editor

नए कपास सीजन को लेकर बाजार की स्थिति: बारिश, आवक और अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर रहेंगे भाव

कर्नाटक के बल्लारी में लंबे समय से कॉटन ब्रोकरेज एवं ट्रेडिंग व्यवसाय से जुड़े **श्री बोथरा जी** ने नए कपास सीजन की संभावनाओं और बाजार की मौजूदा स्थिति पर अपने विचार साझा किए। उनके अनुसार आगामी सीजन में बारिश, नई फसल की आवक, जिनिंग क्षमता, यार्न की मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार कपास के भाव की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे।

प्रश्न: नया कपास सीजन कब शुरू माना जा रहा है और शुरुआती आवक कैसी रह सकती है?
उत्तर: सामान्यतः नया कपास सीजन 1 अक्टूबर से शुरू माना जाता है। इसके आसपास नई कपास की आवक लगभग 25,000 गांठ के स्तर से शुरू होने की संभावना है। 15 अक्टूबर के आसपास आवक बढ़कर लगभग 40,000 गांठ प्रतिदिन तक पहुंच सकती है। हालांकि वास्तविक आवक मौसम और फसल की स्थिति पर निर्भर करेगी।

प्रश्न: इस वर्ष बारिश की स्थिति को आप किस तरह देखते हैं?
उत्तर: इस वर्ष अधिकांश कॉटन बेल्ट में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। उत्तरी क्षेत्र की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन अन्य प्रमुख क्षेत्रों में बारिश की कमी चिंता का विषय है। यदि आने वाले एक सप्ताह में अच्छी बारिश नहीं होती है, तो फसल पर दबाव बढ़ सकता है और उत्पादन प्रभावित होने की संभावना रहेगी।

प्रश्न: बारिश की कमी का बाजार पर क्या असर हो सकता है?
उत्तर: बारिश की कमी से फसल की स्थिति कमजोर होने पर उत्पादन अनुमान घट सकता है। इसका असर आगे चलकर कपास की उपलब्धता पर पड़ सकता है। यानी कम बारिश से फसल पर दबाव, उत्पादन में कमी और सीमित उपलब्धता की स्थिति बनने पर कपास के भाव को समर्थन मिल सकता है।

प्रश्न: इस साल अधिक जिनिंग क्षमता का क्या प्रभाव रहेगा?
उत्तर: इस वर्ष जिनिंग फैक्ट्रियों की संख्या और क्षमता अधिक है। इससे मंडियों से आने वाली नई कपास की जिनिंग तेजी से हो सकती है। इसलिए इस सीजन में कपास की प्रोसेसिंग और बाजार में उपलब्धता की गति तेज रहने की संभावना है और सीजन अपेक्षाकृत छोटा भी रह सकता है।

प्रश्न: नए सीजन में कारोबारियों को किन प्रमुख संकेतकों पर नजर रखनी चाहिए?
उत्तर: तीन प्रमुख संकेतक महत्वपूर्ण रहेंगे—घरेलू मंडियों में नई कपास की आवक, ICE Cotton की चाल और सरकार की आयात-निर्यात नीति और यार्न की मांग पर भी नजर रखना जरूरी होगा।

प्रश्न: सरकार की आयात-निर्यात नीति कितनी महत्वपूर्ण रहेगी?
उत्तर: यह एक महत्वपूर्ण फैक्टर रहेगा। कपास का आयात बढ़ने पर घरेलू बाजार में उपलब्धता बढ़ सकती है, जबकि निर्यात बढ़ने पर घरेलू सप्लाई पर दबाव आ सकता है। आयात शुल्क या अन्य नीतिगत बदलाव भी बाजार की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रश्न: वर्तमान में यार्न की मांग कैसी है?
उत्तर: फिलहाल मिलों में यार्न की मांग अच्छी बनी हुई है। मिलों के पास स्टॉक होने के बावजूद बाजार में मांग देखने को मिल रही है। यह कपास बाजार के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यार्न की मजबूत मांग से मिलों की कपास खरीद को भी समर्थन मिल सकता है।

प्रश्न: यदि कपास के भाव नीचे आते हैं तो क्या मिलों की खरीद बढ़ सकती है?
उत्तर: हां, यदि कपास के भाव में गिरावट आती है तो मिलों की ओर से खरीदारी बढ़ने की संभावना है। इससे निचले स्तरों पर बाजार को समर्थन मिल सकता है।

प्रश्न: क्या अंतरराष्ट्रीय बाजार भारतीय कपास के भाव को प्रभावित करेगा?
उत्तर: निश्चित रूप से। भारतीय कपास बाजार अब केवल घरेलू आवक और उत्पादन पर निर्भर नहीं है। ICE Cotton सहित अंतरराष्ट्रीय बाजार की चाल, भारत का आयात-निर्यात और वैश्विक मांग घरेलू भाव को प्रभावित करेंगे। इसलिए नए सीजन में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर लगातार नजर रखना जरूरी होगा।

निष्कर्ष:
नया कपास सीजन कई महत्वपूर्ण चुनौतियों और संभावनाओं के बीच शुरू होने जा रहा है। बारिश की कमी से फसल पर दबाव है, जबकि अधिक जिनिंग क्षमता नई फसल की प्रोसेसिंग को तेज कर सकती है। दूसरी ओर, यार्न की अच्छी मांग बाजार के लिए सकारात्मक संकेत है। आने वाले दिनों में बारिश, नई आवक, ICE Cotton और आयात-निर्यात नीति कपास बाजार की दिशा तय करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

Made with Xodo PDF Reader and Editor

इस सप्ताह इंटरनेशनल मार्केट में मिलाजुला रुख देखने को मिला ।

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77773
WEEKLY REPORT 12.09.2026

ICE COTTON			
MONTH	04.09.26	11.09.26	WEEKLY CHANGE
DEC	86.33	86.06	-0.27
MAR	88.62	88.56	-0.06
MAY	89.97	89.95	-0.02
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2844	2570	-274
DEC	3335	3420	85
JAN	3300	3372	72
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77773	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	94.49	95.55	1.06
PAK (Pakistani Rupee)	277.510	277.289	-0.22
CNY (Chinese yuan)	6.71183	6.70776	0.00
BRAZIL (Real)	5.10439	5.10033	0.00
AUSTRALIAN Dollar	1.38883	1.39426	0.01
MALAYSIAN RINGGITS	4.04407	4.07048	0.03
INTERNATIONAL MARKET			
COTLOOK "A" INDEX	96.00	98.20	2.20
BRAZIL COTTON INDEX	85.51	85.14	-0.37
USDA SPOT RATE	77.24	77.20	-0.04
MCX SPOT RATE	33,010	33,000	-10
GOLD ($)	4516.56	4390.75	-125.81
SILVER ($)	67.370	64.581	-2.789
CRUDE ($)	90.96	99.33	8.37

ICE अंतरराष्ट्रीय कॉटन एक्सचेंज में दिसंबर वायदा में 0.27 सेंट, मार्च वायदा में 0.06 सेंट तथा मई वायदा में 0.02 सेंट की गिरावट दर्ज की गई।

NCDEX पर खल में सितम्बर वायदा में 274 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही जबकि दिसंबर वायदा में 85 रुपये तथा जनवरी वायदा में 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त रही ।

वही अन्य देशों के कॉटन बाजार की बात करें तो Cotlook “A” Index में बढ़त दर्ज की गई। वहीं, USDA स्पॉट रेट में 0.04 सेंट की गिरावट रही तथा MCX स्पॉट रेट में भी 10 प्रति बेल की कमी देखने को मिली।

इंडिया कॉटन समिट 2026

विदर्भ कॉटन एसोसिएशन (VCA) 26 और 27 सितंबर, 2026 को भव्य 'इंडिया कॉटन समिट 2026' का आयोजन कर रहा है। बाज़ार की मौजूदा स्थितियों और कॉटन इंडस्ट्री की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, यह समिट देश भर के गिनर्स, ट्रेडर्स, स्पिनर्स, मिलर्स, एक्सपोर्टर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स को एक मंच पर लाने की एक अहम पहल है।

इस समिट में कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी, जिनमें माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह, CCI के CMD श्री ललित कुमार गुप्ता और CAI के प्रेसिडेंट श्री विनय कोटक शामिल हैं।

इस समिट को लेकर पूरी इंडस्ट्री में ज़बरदस्त उत्साह है। अब तक 900 से ज़्यादा लोगों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है और समिट में 1,200 से ज़्यादा लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

VCA की लंबे समय से चली आ रही कोशिशों और प्रतिबद्धता से आयोजित यह समिट, पूरी कॉटन इंडस्ट्री को एक मंच पर लाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

क्या आपने अभी तक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है? नीचे दिए गए 'अभी रजिस्टर करें' (Register Now) बटन पर क्लिक करें और इस ऐतिहासिक समिट का हिस्सा बनें।

REGISTER NOW!

Made with Xodo PDF Reader and Editor

CCI से कपास की लगातार निकासी, बिक्री 94.27 लाख गांठों के पार

2025–26 सीजन में CCI की कुल कपास बिक्री 94,27,700 गांठ यानी करीब 94.27 लाख गांठों तक पहुंच गई है। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो महाराष्ट्र 28.36 लाख गांठों की बिक्री के साथ सबसे आगे है, जबकि तेलंगाना में 24.28 लाख और गुजरात में 17.75 लाख गांठों की बिक्री हो चुकी है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 5.66 लाख, कर्नाटक में 7.11 लाख, राजस्थान में 3.29 लाख, आंध्र प्रदेश में 2.82 लाख और ओडिशा में 2.70 लाख गांठों की बिक्री दर्ज की गई है। हरियाणा में 1.86 लाख और पंजाब में 45,200 गांठों की बिक्री हुई है।

STATEWISE BALES SOLD BY CCI IN SEASON 2025-26

SMART INFO SERVICES
Market Intelligence > Market Guesswork

(Till 11/09/2026)

STATE	NO. OF BALES
MAHARASHTRA	28,35,700
TELANGANA	24,28,400
GUJARAT	17,75,000
KARNATAKA	7,10,800
MADHYA PRADESH	5,66,400
RAJASTHAN	3,28,700
ANDHRA PRADESH	2,82,200
ODISHA	2,69,500
HARYANA	1,85,500
PUNJAB	45,200
WEST BENGAL	300
TOTAL (+/- Incomplete lot's quantity):	94,27,700 Bales

(This is based on tentative data)

CONTACT NO. 9111677775 | WEBSITE www.smartinfoindia.com | EMAIL india.smartinfo@gmail.com

भा.क.नि.
CCI

कपास बाजार में CCI की बिक्री गतिविधियां इस सप्ताह भी जारी रहीं। 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (CCI) ने करीब 2,200 गांठ कपास की बिक्री की, जबकि कॉटन कैंडी के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया। सप्ताह के दौरान खरीदारी में मिलों और व्यापारियों, दोनों की भागीदारी देखने को मिली। 7 सितंबर को 300 गांठों की पूरी मात्रा व्यापारियों ने खरीदी, जबकि 8 सितंबर को 400 गांठ, 9 सितंबर को 500 गांठ और 10 सितंबर को सप्ताह की सर्वाधिक 900 गांठों की बिक्री हुई, जिसे मिलों ने पूरी तरह खरीदा। सप्ताह के अंतिम दिन 11 सितंबर को 100 गांठों की बिक्री हुई और पूरी मात्रा व्यापारियों ने उठाई।

CCI की लगातार बिक्री के बीच कैंडी भाव का स्थिर रहना और मिलों की खरीदारी में बनी सक्रियता कपास बाजार के लिए इस सप्ताह का प्रमुख संकेत रहा। अब बाजार की नजर आगे CCI की बिक्री गति, मिलों की मांग और आगामी नए सीजन की आवक पर रहेगी।

WEEKLY SALE OF CCI COTTON BALES

भा.क.नि. C.C.I.

FOR SEASON (2025-26)

CONTACT ON : 91116 77775

DATE	MILLS SESSION	TRADER SESSION	TOTAL BALES SOLD
07.09.2026	0	300	300
08.09.2026	400	0	400
09.09.2026	500	0	500
10.09.2026	900	0	900
11.09.2026	100	0	100
TOTAL	1,900	300	2,200

GRAND TOTAL BALES SOLD BY CCI IN THIS WEEK 2,200 (APX.)

(This Is Based On Tentative Data)

DAILY MARKET UPDATES | ACCURATE INFORMATION | RELIABLE DATA | TIMELY INSIGHTS

Made with Xodo PDF Reader and Editor

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- ## देरी से आए मानसून के कारण महाराष्ट्र में कपास का रकबा 10% घटा

  महाराष्ट्र में मानसून की देरी और शुरुआती बारिश की कमी से कपास की बुवाई प्रभावित हुई है। इस खरीफ सीजन कपास का रकबा करीब 10% घटकर 38.4 लाख हेक्टेयर रह गया। नासिक और छत्रपति संभाजीनगर मंडल में बुवाई में 24% और 22% तक गिरावट दर्ज हुई, जबकि अमरावती मंडल में स्थिति सामान्य रही। पिछले दो सप्ताह से बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ी है। समय पर अच्छी बारिश नहीं हुई तो फसल की बढ़वार, उत्पादन और पैदावार पर असर पड़ सकता है।

- ## कॉटन यार्न के दाम 60% बढ़े.

  भारत के टेक्सटाइल उद्योग में बढ़ती सूती धागे की कीमतों ने लागत और प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ा दिया है। AEPC के अनुसार, धागे के दाम करीब 60% बढ़कर ₹400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। कपास की सीमित उपलब्धता और घटते उत्पादन से स्थिति और गंभीर हुई है। उद्योग ने धागे के निर्यात पर नियंत्रण, ड्यूटी-फ्री कपास आयात बढ़ाने और घरेलू उत्पादन सुधारने की मांग की है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बढ़ती इनपुट लागत FTA से मिलने वाले निर्यात लाभ और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित कर सकती है।

- ## कपास कीमतों में उतार-चढ़ाव से टेक्सटाइल उद्योग चिंतित

  तमिलनाडु की टेक्सटाइल मिलों और गारमेंट यूनिट्स ने कॉटन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकारी हस्तक्षेप की मांग की है। CITI चेयरमैन अश्विन चंद्रन के अनुसार, वैश्विक यार्न मांग बढ़ने से कॉटन और यार्न कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ा है। चीन, बांग्लादेश और घरेलू बाजार से मांग में सुधार हुआ है। तिरुप्पुर एक्सपोर्टर्स ने कॉटन निर्यात पर रोक लगाने की मांग करते हुए बड़ी मिलों पर सप्लाई सीमित करने का आरोप लगाया। एसोसिएशन ने उत्पादन और खपत के अंतर को देखते हुए कीमतों पर नियंत्रण के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है।

- ## कपास सीजन की धमाकेदार शुरुआत! टिंटोई में ₹2,100 प्रति मन बिका कपास

  मोडासा के टिंटोई सबयार्ड में नए कपास सीजन का शुभारंभ पहली आवक और पब्लिक ऑक्शन के साथ हुआ। पहले दिन कपास की बोली ₹1,111 प्रति मन से शुरू होकर ₹2,100 प्रति मन तक पहुंची, जहां गुरुकृपा व्यापारियों ने सबसे ऊंची बोली लगाकर खरीद की। ऊंचे शुरुआती भाव से किसानों में खुशी और व्यापारियों में उत्साह देखा गया। क्षेत्र में 20 हजार हेक्टेयर से अधिक कपास बुवाई हुई है, जिससे आगामी दिनों में आवक बढ़ने की उम्मीद है।

- ## मनावर मंडी में 11 सितंबर से कपास नीलामी

  मनावर कृषि उपज मंडी में किसानों की मांग को देखते हुए 11 सितंबर से कपास की नीलामी शुरू होगी। सेमल्दा मार्ग स्थित मिर्ची मंडी परिसर में व्यापारी किसानों की कपास की बोली लगाएंगे, जिससे उचित बाजार मूल्य मिलने की उम्मीद है। मनावर विकासखंड के 150 से अधिक गांवों में 20 हजार हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में कपास की बोवनी हुई है। CCI ने 'कपास किसान' ऐप शुरू किया है, जिससे किसान ऑनलाइन पंजीयन और स्लॉट बुक कर सकेंगे।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 96300 96370

DATE:12.09.2026

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	07/09/2026		12/09/2026		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,750	6,750	6,900	7,000	250
HARYANA	27.5/28	6,750	6,750	6,875	6,975	225
UPPER RAJASTHAN	28	6,750	6,750	6,850	6,950	200
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29+	68,700	69,300	68,800	69,300	0
MADHYA PRADESH		68,000	69,000	69,000	69,500	500
MAHARASHTRA	29+	68,300	69,500	68,500	69,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 96300 96370						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	69,800	70,300	69,800	70,300	0
KARNATAKA	29.5+	68,000	68,500	68,000	68,500	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	67,500	68,000	67,000	68,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm	68,000	68,800	67,800	68,800	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

इस सप्ताह रुई बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला।

नॉर्थ ज़ोन के हरियाणा राज्य में 200 रुपये प्रति मंड तथा पंजाब और अपर राजस्थान राज्य में 250 रुपये प्रति मंड की बढ़त रही ।

सेंट्रल ज़ोन के मध्यप्रदेश राज्य में 500 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त दर्ज की गई तथा महाराष्ट्र, और गुजरात राज्य में स्थिरता रही ।

साउथ ज़ोन के तेलंगाना,आंध्र प्रदेश ,कर्नाटक तथा ओड़िशा राज्य में स्थिरता रही ।

www.smartinfoindia.com +91-9111677775

Made with Xodo PDF Reader and Editor

NEWS LETTER

North Zone: Central Zone: South Zone: Saturday, 12 September 2026

Arrival & Sowing Update | Interview | International Market Update | CCI | Important News

NEW COTTON ARRIVES ACROSS THE COUNTRY! A GRAND START TO THE 2026-27 SEASON WITH STRONG INITIAL PRICES

- The 2026-27 cotton season has commenced in several major cotton-producing regions of the country. Initial arrivals of the new crop have started reaching markets in Madhya Pradesh, Gujarat, Karnataka, Rajasthan, Haryana, Telangana, and parts of Andhra Pradesh. Many markets inaugurated the new season with traditional rituals and the first round of bidding, with initial prices proving encouraging for farmers.

- Susari in Madhya Pradesh saw a spectacular start to the new season, with the first purchase taking place on August 26 at a price of ₹9,101 per quintal. Over 1,500 quintals of new cotton arrived there on the very first day. Meanwhile, Khargone market received approximately 10,000 quintals of cotton on the season's opening day, with initial bids reaching ₹8,411 per quintal. Even cotton with higher moisture content sold at prices ranging from ₹7,000 to ₹8,000 per quintal.

- Auctions for the new cotton crop also began at Kukshi market. On the first day, 1,269 quintals of cotton arrived via 151 vehicles. The highest price recorded was ₹8,465 per quintal, the lowest was ₹7,500, and the model price stood at ₹8,000 per quintal.

- Trading for the season also kicked off at the Modasa Tintoi sub-yard in Gujarat with the first arrivals of new cotton. In the public auction, initial bids ranged from ₹1,111 per maund to ₹2,100 per maund. Cotton has been sown across more than 20,000 hectares in the region this year, raising expectations for increased arrivals in the coming period.

- The new crop is reaching markets in South India as well. In markets such as Raichur, Bellary, Adoni, and Yemmiganur, prices for raw cotton are reportedly around ₹9,200–9,500 per quintal, depending on moisture content. Initial arrivals have also commenced in parts of Rajasthan, Haryana, Telangana, and Andhra Pradesh. The government has fixed the Minimum Support Price (MSP) for medium-staple cotton at ₹8,267 per quintal and for long-staple cotton at ₹8,667 per quintal for the 2026-27 season. Given the current market scenario, farmers are now keeping a close watch on rising market arrivals, declining moisture levels, and the direction of the international cotton market in the coming weeks.

- Overall, the 2026-27 season has commenced with the arrival of new cotton in markets across the country, and initial prices have fostered a positive market sentiment. As arrivals of the new crop increase in the coming days, the true direction of the cotton market and the trend in prices are expected to become clearer.

COTTON SOWING SHIFTS: NORTH DOWN, CENTRAL & SOUTH UP

- Cotton sowing across the country is nearly complete. As of September 11, 2026, the total cotton acreage stood at 109.345 lakh hectares, marking a decrease of 0.317 lakh hectares (0.29%) compared to the previous year's 109.662 lakh hectares. While the national-level decline is marginal, sowing trends have varied across different regions.

- In the northern region, acreage dropped to 9.351 lakh hectares, an 18.05% decrease from the previous year. Sowing covered 0.850 lakh hectares in Punjab, 3.110 lakh hectares in Haryana, and 5.391 lakh hectares in Rajasthan.

- In contrast, sowing in the central region rose to 65.723 lakh hectares, a year-on-year increase of 1.44%. Acreage stood at 21.483 lakh hectares in Gujarat and 5.840 lakh hectares in Madhya Pradesh, while Maharashtra remained relatively stable at 38.400 lakh hectares.

- The southern region also showed a positive trend, with sowing reaching 31.711 lakh hectares—a 2.89% increase over the previous year. Telangana recorded a 5.40% rise, with acreage reaching 19.521 lakh hectares. Karnataka and Andhra Pradesh saw marginal declines.

Overall, despite the reduction in acreage in North India, increased sowing in Central and South India has kept the country's total cotton area close to last year's levels. Market attention will now focus on crop conditions, weather patterns, and upcoming cotton arrivals.

COTTON SOWING as on 11/09/2026

(Lakh Hectare) SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77775

STATE	2026	2025	YEARLY CHANGE	CHANGE %
PUNJAB	0.850	1.190	-0.340	-28.57
HARYANA	3.110	3.940	-0.830	-21.07
RAJASTHAN	5.391	6.280	-0.889	-14.16
NORTH ZONE	**9.351**	**11.410**	**-2.059**	**-18.05**
GUJARAT	21.483	20.812	0.671	3.22
MAHARASHTRA	38.400	38.420	-0.020	-0.05
MADHYA PRADESH	5.840	5.560	0.280	5.04
CENTRAL ZONE	**65.723**	**64.792**	**0.931**	**1.44**
ANDHRA PRADESH	4.110	4.130	-0.020	-0.48
TELANGANA	19.521	18.520	1.001	5.40
KARNATAKA	7.990	8.080	-0.090	-1.11
TAMILNADU	0.090	0.090	0.000	0.00
SOUTH ZONE	**31.711**	**30.820**	**0.891**	**2.89**
ODISHA	2.350	2.380	-0.030	-1.26
OTHER	0.210	0.260	-0.050	-19.23
GRAND TOTAL	**109.345**	**109.662**	**-0.317**	**-0.289**

SOURCE : MINISTRY OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE

Made with Xodo PDF Reader and Editor

New Cotton Season: Prices Hinge on Rainfall, Arrivals & Global Market

Mr. Bothra, a long-time player in the cotton brokerage and trading business in Ballari, Karnataka, shared his views on the prospects for the new cotton season and the current market situation. According to him, rainfall, new crop arrivals, ginning capacity, yarn demand, and international market trends will be the key factors determining the direction of cotton prices in the upcoming season.

Question: When is the new cotton season expected to begin, and what might the initial arrivals look like?
Answer: Generally, the new cotton season is considered to start on October 1st. Around this time, new cotton arrivals are likely to begin at a level of approximately 25,000 bales. By mid-October, arrivals could rise to around 40,000 bales per day. However, actual arrivals will depend on weather conditions and the state of the crop.

Question: How do you view the rainfall situation this year?
Answer: Most cotton-growing regions have not received adequate rainfall this year. While the situation in the northern region is relatively better, the lack of rain in other key areas is a cause for concern. If there is no good rainfall in the coming week, the crop could come under stress, potentially impacting production.

Question: What impact could the rainfall deficit have on the market?
Answer: If the crop weakens due to a lack of rain, production estimates could be revised downwards. This could subsequently affect cotton availability. In other words, if low rainfall leads to crop stress, reduced production, and limited availability, it could provide support to cotton prices.

Question: What impact will the higher ginning capacity have this year?
Answer: There is a higher number of ginning factories and greater capacity this year. This could accelerate the ginning of new cotton arriving from the markets (mandis). Consequently, the pace of cotton processing and market availability is likely to be faster this season, and the season itself might be relatively shorter.

Question: What is the current demand for yarn?
Answer: Yarn demand at mills remains strong at present. Despite existing stocks at the mills, market demand is evident. This is a positive sign for the cotton market, as robust yarn demand could support cotton procurement by the mills.

Question: How significant will the government's import-export policy be?
Answer: It will be a crucial factor. Increased cotton imports could boost domestic market availability, whereas a rise in exports might put pressure on domestic supplies. Import duties or other policy changes could also influence the market's direction.

Question: Will the international market influence Indian cotton prices?
Answer: Certainly. The Indian cotton market is no longer solely dependent on domestic arrivals and production. Movements in international markets—including ICE Cotton—along with India's import-export dynamics and global demand, will influence domestic prices. Therefore, keeping a close watch on the international market during the new season will be essential.

Question: Could mill procurement increase if cotton prices drop?
Answer: Yes, if cotton prices decline, there is a likelihood of increased buying by mills. This could provide support to the market at lower price levels.

Question: Which key indicators should traders monitor during the new season?
Answer: Three key indicators will be important: the arrival of new cotton in domestic markets, the movement of ICE Cotton, and the government's import-export policy; monitoring yarn demand will also be essential.

Conclusion:
The new cotton season is set to begin amidst several significant challenges and opportunities. A rainfall deficit is putting pressure on the crop, while expanded ginning capacity could accelerate the processing of the new harvest. On the other hand, strong yarn demand serves as a positive signal for the market. In the coming days, rainfall, new arrivals, ICE Cotton trends, and import-export policies will play the most pivotal roles in determining the direction of the cotton market.

Made with Xodo PDF Reader and Editor

A MIXED TREND WAS OBSERVED IN THE INTERNATIONAL MARKET THIS WEEK.

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77773

WEEKLY REPORT 12.09.2026

ICE COTTON			
MONTH	04.09.26	11.09.26	WEEKLY CHANGE
DEC	86.33	86.06	-0.27
MAR	88.62	88.56	-0.06
MAY	89.97	89.95	-0.02
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2844	2570	-274
DEC	3335	3420	85
JAN	3300	3372	72
SMART INFO SERVICE	CALL : 91119 77773		
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	94.49	95.55	1.06
PAK (Pakistani Rupee)	277.510	277.289	-0.22
CNY (Chinese yuan)	6.71183	6.70776	0.00
BRAZIL (Real)	5.10439	5.10033	0.00
AUSTRALIAN Dollar	1.38883	1.39426	0.01
MALAYSIAN RINGGITS	4.04407	4.07048	0.03
INTERNATIONAL MARKET			
COTLOOK "A" INDEX	96.00	98.20	2.20
BRAZIL COTTON INDEX	85.51	85.14	-0.37
USDA SPOT RATE	77.24	77.20	-0.04
MCX SPOT RATE	33,010	33,000	-10
GOLD ($)	4516.56	4390.75	-125.81
SILVER ($)	67.370	64.581	-2.789
CRUDE ($)	90.96	99.33	8.37

On the ICE (Intercontinental Exchange), declines of 0.27 cents, 0.06 cents, and 0.02 cents were recorded for the December, March, and May cotton futures contracts, respectively.

On the NCDEX, the September futures contract for cotton seed oil cake (khal) fell by ₹274 per quintal, whereas the December and January futures contracts saw gains of ₹85 and ₹72 per quintal, respectively.

Meanwhile, regarding cotton markets in other countries, the Cotlook "A" Index registered a rise. Conversely, the USDA spot rate declined by 0.04 cents, and the MCX spot rate also saw a decrease of ₹10 per bale.

The Vidarbha Cotton Association (VCA) is organizing the grand India Cotton Summit 2026 on September 26 and 27, 2026. Considering the current market conditions and the changing needs of the cotton industry, this Summit is an important initiative to bring ginners, traders, spinners, millers, exporters, and industry experts from across the country together on one platform.

The Summit will be attended by several prominent personalities, including Hon'ble Union Minister Shri Nitin Gadkari, Union Textiles Minister Shri Giriraj Singh, CCI CMD Shri Lalit Kumar Gupta, and CAI President Shri Vinay Kotak.

There is tremendous enthusiasm across the industry for the Summit. So far, more than 900 people have registered online, and over 1,200 participants are expected to attend the Summit.

Organized through VCA's long-standing efforts and commitment, this Summit is a commendable initiative towards bringing the entire cotton industry together on one platform.

Haven't registered yet? Click the Register Now button below and be a part of this historic Summit.

REGISTER NOW!

Made with Xodo PDF Reader and Editor

Continuous cotton off-take from CCI; sales cross 94.27 lakh bales.

CCI's total cotton sales for the 2025–26 season have reached 94,27,700 bales, or around 9.427 million bales. State-wise, Maharashtra leads with sales of 2.836 million bales, followed by Telangana at 2.428 million bales and Gujarat at 1.775 million bales. Madhya Pradesh has recorded sales of 566,000 bales, Karnataka 711,000 bales, Rajasthan 329,000 bales, Andhra Pradesh 282,000 bales, and Odisha 270,000 bales. Haryana has recorded sales of 186,000 bales, while Punjab has recorded sales of 45,200 bales.

STATEWISE BALES SOLD BY CCI IN SEASON 2025-26

SMART INFO SERVICES
Market Intelligence > Market Guesswork

(Till 11/09/2026)

STATE	NO. OF BALES
MAHARASHTRA	28,35,700
TELANGANA	24,28,400
GUJARAT	17,75,000
KARNATAKA	7,10,800
MADHYA PRADESH	5,66,400
RAJASTHAN	3,28,700
ANDHRA PRADESH	2,82,200
ODISHA	2,69,500
HARYANA	1,85,500
PUNJAB	45,200
WEST BENGAL	300
TOTAL (+/- Incomplete lot's quantity):	94,27,700 Bales

(This is based on tentative data)

CONTACT NO. 9111677775 | WEBSITE www.smartinfoindia.com | EMAIL india.smartinfo@gmail.com

भा.क.नि. CCI

CCI's cotton sales activity continued this week as well. During the week ending September 11, the Cotton Corporation of India (CCI) sold around 2,200 bales of cotton, while cotton candy prices remained unchanged. Both mills and traders participated in purchases during the week. On September 7, traders purchased the entire quantity of 300 bales. On September 8, 400 bales were sold, followed by 500 bales on September 9. The highest sale of the week took place on September 10, when 900 bales were sold and the entire quantity was purchased by mills. On the final day of the week, September 11, 100 bales were sold, with traders purchasing the entire quantity.

Amid CCI's continued sales, stable cotton candy prices and sustained buying activity from mills were the key signals from the cotton market this week. Going forward, the market will closely watch the pace of CCI's sales, mill demand, and arrivals of cotton from the upcoming new season.

WEEKLY SALE OF CCI COTTON BALES

भा.क.नि. C.C.I.

FOR SEASON (2025-26)

CONTACT ON : 91116 77775

DATE	MILLS SESSION	TRADER SESSION	TOTAL BALES SOLD
07.09.2026	0	300	300
08.09.2026	400	0	400
09.09.2026	500	0	500
10.09.2026	900	0	900
11.09.2026	100	0	100
TOTAL	1,900	300	2,200

GRAND TOTAL BALES SOLD BY CCI IN THIS WEEK: 2,200 (APX.)

(This Is Based On Tentative Data)

DAILY MARKET UPDATES | ACCURATE INFORMATION | RELIABLE DATA | TIMELY INSIGHTS

Made with Xodo PDF Reader and Editor

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- ## Cotton Acreage in Maharashtra Drops 10% Due to Delayed Monsoon

Cotton sowing in Maharashtra has been affected by the delayed monsoon and a lack of early rainfall. During this Kharif season, the area under cotton cultivation shrank by approximately 10% to 38.4 lakh hectares. Declines of 24% and 22% in sowing were recorded in the Nashik and Chhatrapati Sambhajinagar divisions, respectively, whereas the situation remained normal in the Amravati division. The absence of rain over the past two weeks has heightened farmers' concerns. A lack of timely, adequate rainfall could impact crop growth, production, and yields.

- ## Cotton Yarn Prices Surge by 60%

Rising cotton yarn prices have increased cost and competitive pressures within India's textile industry. According to the AEPC, yarn prices have risen by nearly 60%, reaching ₹400 per kilogram. Limited cotton availability and declining production have further aggravated the situation. The industry has demanded controls on yarn exports, an increase in duty-free cotton imports, and measures to boost domestic production. Experts warn that rising input costs could impact export benefits derived from Free Trade Agreements (FTAs) and India's global competitiveness.

- ## Textile Industry Faces Cotton Price Volatility

Textile mills and garment units in Tamil Nadu have sought government intervention to improve cotton availability. CITI Chairman Ashwin Chandran noted that rising global demand for yarn has led to increased volatility in cotton and yarn prices. Demand has improved in China, Bangladesh, and the domestic market. Tiruppur exporters have accused large mills of restricting supply and have called for a ban on cotton exports. The association has urged immediate action to control prices, citing the gap between production and consumption.

- ## Tintoi Cotton Season Opens at ₹2,100

The new cotton season kicked off at the Tintoi sub-yard in Modasa with the first arrivals and a public auction. On the first day, bidding for cotton started at ₹1,111 per maund and reached ₹2,100 per maund, with 'Gurukrupa Traders' placing the winning bid. The high opening price brought joy to farmers and generated enthusiasm among traders. Cotton has been sown across more than 20,000 hectares in the region, and arrivals are expected to increase in the coming days.

- ## Manawar Cotton Auctions Start September 11

Responding to farmers' demands, cotton auctions will commence at the Manawar Agricultural Produce Market (Mandi) on September 11. Traders will bid on farmers' cotton at the 'Mirchi Mandi' (Chili Market) complex located on the Semalda Road, ensuring the expectation of a fair market price. Cotton has been sown over an area exceeding 20,000 hectares across more than 150 villages in the Manawar development block. The CCI has launched the 'Kapas Kisan' app, enabling farmers to register online and book slots.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 96300 96370

DATE:12.09.2026

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	07/09/2026		12/09/2026		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,750	6,750	6,900	7,000	250
HARYANA	27.5/28	6,750	6,750	6,875	6,975	225
UPPER RAJASTHAN	28	6,750	6,750	6,850	6,950	200
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29+	68,700	69,300	68,800	69,300	0
MADHYA PRADESH		68,000	69,000	69,000	69,500	500
MAHARASHTRA	29+	68,300	69,500	68,500	69,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 96300 96370						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	69,800	70,300	69,800	70,300	0
KARNATAKA	29.5+	68,000	68,500	68,000	68,500	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	67,500	68,000	67,000	68,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm	68,000	68,800	67,800	68,800	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

The cotton market witnessed a mixed trend this week.

In the North Zone, prices rose by ₹200 per maund in Haryana and by ₹250 per maund in Punjab and Upper Rajasthan.

In the Central Zone, an increase of ₹500 per candy was recorded in Madhya Pradesh, while prices remained stable in Maharashtra and Gujarat.

Prices remained stable across the South Zone states of Telangana, Andhra Pradesh, Karnataka, and Odisha.